



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 164]  
No. 164]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 20, 1990/चैत्र 30, 1912  
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 20, 1990/CHAITRA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1990

सं. 17/90--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन. टी. )

सा. का. नि. 454 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क  
और नया अधिनियम, 1944 ( 1944 का 1 ) की धारा 37 द्वारा  
प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944  
का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (चौथा  
संशोधन) नियम, 1990 है।

2. (2) ये राजपत्र में प्रकाशन का तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191 ख के पश्चात्  
निम्नलिखित नियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"191ख. वह उत्पाद-शुल्क्य माल जिसका विनिर्माण या  
भंडारण के स्थान से शुल्क के संदाय के बिना हटाया जाना अनुमत  
किया जा रहा है:-

(1) केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा  
ऐसा उत्पाद-शुल्क्य माल विनिर्दिष्ट कर सकेगी जिसे उसके विनिर्माण  
या भंडारण के स्थान से हटाए जाने की अनुज्ञा शुल्क के संदाय के  
बिना, क्लकटर द्वारा, यदि ऐसे माल का प्रवाह उक्त अधिसूचना में विनि-  
र्दिष्ट ऐसी वस्तुओं के विनिर्माण के लिए, जिनका एक या अधिक निर्यात  
आदेशों के निष्पादन में निर्यात किया जाना है अथवा ऐसे आदेशों के  
निष्पादन के लिए निर्यातित उक्त वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयुक्त शुल्क  
संबन्धित उत्पाद-शुल्क्य माल की पुनः पूर्ति के लिए या दोनों के लिए किया  
जाता है तो, ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन रहते हुए दी जा सकेगी  
जो ऐसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाएं।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट शर्तों और परिसीमाएं निम्नलिखित  
विषयों से संबंधित होंगी :-

(क) उत्पाद-शुल्क्य माल के विनिर्माताओं का वर्ग और निर्यात की  
वस्तुओं के विनिर्माण;

(ख) निर्यात की वस्तुओं के विनिर्माण के दौरान उदात्त उत्पाद,  
अपशिष्ट, बचत के और विनिर्माण प्रक्रिया के अंत में शेष  
रह गए उत्पाद-शुल्क्य माल के अधिशेष के, यदि कोई हो  
निपटार की प्रणालि है ;

- (ग) शुल्क-मुक्त उत्पाद-शुल्क्य माल की मात्रा जो निर्यात की प्रत्येक वस्तु के प्रति यूनिट उत्पादन के लिए अनुशात की जा सकेगी,
- (घ) निर्यात के लिए निकासी की गई वस्तुओं के विनिर्माण में प्रयुक्त शुल्क-मुक्त उत्पाद-शुल्क्य माल की पुनः पूर्ति और पुनः पूर्ति मासियों के उपयोग की रीति ;
- (ङ) अधिसूचना में विनिर्दिष्ट शर्तों और परिस्थितियों के सम्बन्ध अनुपालन के लिए ऐसी प्रतिभूति या प्राप्ति सहित, जिसका कलक्टर द्वारा विनिर्माण किया जाए, संश्लेषण का निष्पादन ; और
- (च) कोई अन्य शर्त जिसे केंद्रीय सरकार विनिर्दिष्ट करना आवश्यक समझे।

(3) जहाँ किसी उत्पाद-शुल्क्य माल के संबंध में उपनियम (1) के अधीन अधिसूचना निकाली जाती है वहाँ ऐसे माल का स्वामी कलक्टर की अनुशा से ऐसे माल को शुल्क के संशय के बिना विनिर्माण या भंडारण के स्थान से हटा सकेगा।

(4) कलक्टर, विशेष आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों और परिस्थितियों के अधीन रहते हुए जो वह विनिर्दिष्ट करे, वस्तुओं के विनिर्माता को इस नियम के अधीन विनिर्मित वस्तुओं को कतिपय विनिर्माण-प्रक्रियाएं पूरा करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति के परिसर को हटाने की और ऐसी वस्तुओं को शुल्क के संशय के बिना अपना कारखाने में वापस लाने की या ऐसी वस्तुओं को शुल्क के संशय के बिना कतिपय विनिर्माण प्रक्रियाएं पूरा करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति के परिसर को हटाने की ऐसे विनिर्माता को अनुशा देने की और ऐसी वस्तुओं को अपने कारखाने में वापस लाने की या ऐसी वस्तुओं को ऐसे अन्य व्यक्ति के, जिसकी ऐसी वस्तुएं भेजी गई हैं, परिसर से विनिर्माण द्वारा इस नियम के अधीन निर्यात के लिए हटाए जाने की अनुशात करने की अनुशा दे सकेगा।

(5) जहाँ स्वामी या उसका अधिकारी इस नियम को या उपनियम (1) के अधीन निकाली गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किसी शर्त का भंग करेगा वहाँ ऐसे सभी उत्पाद-शुल्क्य माल और वस्तुओं का जिनका बाबत ऐसा भंग किया गया है, अधिहरण किया जा सकेगा और स्वामी, यथा-स्थिति, ऐसे उत्पाद-शुल्क्य माल या वस्तुओं के, जिनका बाबत ऐसा भंग किया गया है या शर्तों के मूल्य के तीन गुने से अधिक शास्ति का शायी होगा।”

[फा. सं. 209/57/89-सी. शु. 6]

एच.के. मिश्र, अधीक्षक सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 20th April, 1990

## NOTIFICATION

NO. 17/90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 454(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government

hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (4th Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944, after rule 191B, the following rule shall be inserted, namely :—

“191BB.—Excisable goods whose removal from the place of manufacture or storage may be permitted without payment of duty.

(1) The Central Government may, from time to time, by notification in the Official Gazette, specify excisable goods, whose removal may be permitted by the Collector without payment of duty from the place of their manufacture or storage, if such goods are supplied for the manufacture of articles specified in the said notification to be exported in execution of one or more export orders or for replenishment of duty paid excisable goods used in the manufacture of the said articles already exported for the execution of such orders, or both, subject to such conditions and limitations, as may be specified in the said notification.

(2) The conditions and limitations referred to in sub-rule (1) may relate to the following matters,—

(a) the class of manufacturers of excisable goods and manufacturers of articles for export;

(b) the method of disposal of bye-products, waste, and refuse, arising in the course of manufacture of articles for export and of surplus excisable goods, if any, remaining at the end of the manufacturing process;

(c) the quantity of duty free excisable goods that may be permitted for per unit production of each article for export;

(d) replenishment of duty paid excisable goods used in the manufacture of articles cleared for export and the manner of utilisation of the replenished materials;

(e) execution of bond with such security or surety as may be decided by the Collector for due observance of the conditions and limitations specified in the notification; and

(f) any other condition as the Central Government may consider it necessary to specify.

(3) Where a notification is issued under sub-rule (1) in relation to any excisable goods, the owner of such goods may, with the permission of the Collector remove such goods from the place of manufacture or storage without payment of duty.

(4) The Collector may, by special order and subject to such conditions and limitations as may be specified by him, permit the manufacturer of articles to remove the articles manufactured under this rule to the premises of another person for completion of certain manufacturing process and to bring back such articles to his factory without payment of duty or to permit such manufacturer to remove, without payment of duty such articles to the premises of another

person for completion of certain manufacturing process and bring back such articles to his factory or allow the articles to be removed by the manufacturer for export under this rule from the premises of such other person to whom such articles have been sent.

(5) Where the owner or his agent commits a breach of this rule or of any condition specified in the notification issued under sub-rule (1), then all such excisable goods and the articles in respect of which such breach has been committed shall be liable to confiscation and the owner shall be liable to a penalty not exceeding three times the value of such excisable goods or, as the case may be, the articles in respect of which such breach has been committed, or both."

[F. No. 209/57/89-CX.6]

H. K. MITTAL, Under Secy.

